aglasem.com

FOR UTTARAKHAND CLASS 10 PREPARATION

Uttarakhand Board Class 10 Syllabus 2027 Punjabi

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT
Uttarakhand Class 10	2027	Syllabus	Punjabi

2026-27
PUNJABI (Code- 005)
Class– X

TOTAL MARKS- 100 {80 (Theory) + 20 (Internal Assessment)}

Theory: 80 Marks **Time: 3.00 Hrs.**

Sections		Weightage
A	Reading Skills	10 Marks
B	Grammar	12 Marks
C	Writing Skills	18 Marks
D	Language through Literature/Text Books	40 Marks

SECTION A : READING SKILLS — 10 Marks

Reading Comprehension through Unseen Passages

1- Questions based on unseen passage — 05 marks

2- Questions based on unseen poem/stanza — 05 marks

Questions (Objective type/very short answer/short answer type) will be asked to assess comprehension, interpretation, analysis, inference, evaluation and vocabulary.

SECTION B : GRAMMAR — 12 Marks

3- Samasi word — 02 marks

4- Bohu Arthak — 02 marks

5- Adverb — 02 marks

6- Prefix- Suffix — 02 marks

7- Idioms (K to Z) (use in sentences to explain meaning) — 04 marks

SECTION C : WRITING SKILLS — 18 Marks

8- Essay Writing (word limit 150-200 words) [Idea-oriented or on given topic (*choice- based*)] — 08 Marks

9- Letter Writing (on a given cue/title) [Formal or Informal (*choice based*)] — 06 Marks

10- Description (in 50 words) based on image, photo or picture. — 04 Marks

SECTION D : LANGUAGE THROUGH LITERATURE (TEXT BOOKS) — 40 Mark

11- Objective type questions from Poetry, Vartak, Story and Ikangi. — 8X1 — **08 Marks**

- **Short answer type questions (Answered in 20-30 words)- — 16 Marks**

12- Two questions (choice-based) from Poetry. — 2X2 — 04 Marks

13- Two questions from Vartak. — 2X2 — 04 Marks

14- Two questions from Stories. — 2X2 — 04 Marks

15- Two questions (choice-based) from Ikangi. — 2X2 — 04 Marks

- **Long answer type questions (Answered in 50-60 words)- — 16 Marks**

16- One question from Poetry. — 1X4 — 04 Marks

17- One question (choice-based) from Vartak. — 1X4 — 04 Marks

18- One question (choice-based) from Stories. — 1X4 — 04 Marks

19- One question from Ikangi. — 1X4 — 04 Marks

Note- <u>The questions of 20% weightage (16 marks) will be objective type, out of which 08 multiple-choice questions will be compulsorily asked in the question paper.</u>

Internal Assessment- 20 Marks

Prescribed books:

1- Sahit Mala-10 (Punjabi Poetry and Vartak) *(Publisher- Punjab School Education Board)*

Poetry-

1- So kyon Manda Aakhiye
2- Kripa karke bhaksh liyo
3- Toon Mera Pita Toon hai Mera Mata
4- Satguru Nanak Pragatiaa

Vartak-

1- Ghar da Pyar (Prin. Teja Singh)
2- Boli (S. Gurubaksh Singh)
3- Prarthana (Dr. Balbir Singh)
4- Mere Vade Vadane (Giani Gurdit Singh)
5- Turan Da Hunar (Dr. Narinder Singh Kapoor)

2- Vangi-10 (Punjabi Story and Ikangi) *(Publisher- Punjab School Education Board)*

Stories-

1- Kulfi (Sujan Singh)
2- Ang Sang (Viram Singh Sandhu)
3- Dharti Hethla Buldh (Kulwant Singh Virk)

Ikangi-

1- Zafarnamah (Dr. Harcharan Singh)
2- Duja Viah (Sant Singh Sekhon)

Note- *The books are available at the link 'Books' of website www.pseb.ac.in of Punjab School Education Board.*

पंजाबी विषय में आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत् किया जायेगा–

क्र0सं0	आन्तरिक मूल्यांकन हेतु मूल्यांकन बिन्दु	निर्धारित अंक
1	श्रवण कौशल (LISTENING SKILL)	4
2	वाचन कौशल (SPEAKING SKILL)	4
3	परियोजना कार्य– अ) विषयवस्तु, भाषा एवं प्रस्तुति, मौलिकता ब) परियोजना कार्य पर आधारित मौखिकी	 4 3
4	सतत मूल्यांकन (इकाई परीक्षा)	5
	कुल योग	**20**

1. श्रवण कौशल (LISTENING SKILL)- सुनना (LISTENING)

वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप, वाद विवाद, भाषण, कविता पाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को जानना।

श्रवण (सुनना) का मूल्यांकन (ASSESSMENT OF LISTENING)

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 200 शब्दों का होगा। परीक्षक को सुनते–सुनते परीक्षार्थी अलग कागज पर दिये हुए श्रवण बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे। अभ्यास रिक्त स्थान पूर्ति, बहुविकल्पीय प्रश्न अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं।

2. वाचन कौशल (SPEAKING SKILL)- बोलना (SPEAKING)

- भाषण, वाद–विवाद
- गति, लय, आरोह–अवरोह सहित सस्वर कविता–वाचन
- वार्तालाप और उसकी औपचारिकताएँ
- कार्यक्रम–प्रस्तुति
- कथा–कहानी अथवा घटना सुनना

- परिचय देना, परिचय प्राप्त करना
- भावानुकूल संवाद–वाचन

वार्तालाप की दक्षताएँ

टिप्पणी– वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगा।

वाचन (बोलना) का मूल्यांकन (ASSESSMENT OF SPEAKING)

- चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णनः इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि परीक्षार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
- किसी चित्र का वर्णनः (चित्र लोगों के या स्थानों के हो सकते हैं।)
- किसी निर्धारित विषय पर बोलना जिससे वह अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सकें।
- कोई कहानी सुनना या किसी घटना का वर्णन करना।

टिप्पणी–

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाय।
2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव संसार के हों जैसे– कोई चुटकुला या हास्य–प्रसंग सुनाना, हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे गये सिनेमा की कहानी सुनाना।
4. जब परीक्षार्थी प्रश्न पत्र प्रारम्भ कर दें तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

3. परियोजना कार्य (PROJECT WORK)

विद्यार्थी को शैक्षिक सत्र में विषय से सम्बन्धित एक प्रोजेक्ट कार्य करना होगा। विद्यार्थी प्रोजेक्ट कार्य हेतु विषय से सम्बन्धित किसी भी टॉपिक का विषयाध्यापक से परामर्श कर चयन कर सकता है।

4. सतत मूल्यांकन–इकाई परीक्षा (CONTINUOUS ASSESSMENT- UNIT TEST)

कक्षा 9– सत्र में कुल 04 इकाई परीक्षायें होंगी (02 इकाई परीक्षायें अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पूर्व तथा 02 अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त)। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल निर्माण हेतु प्रथम दो इकाई परीक्षाओं (प्रथम व द्वितीय) में से अधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लिये जायेंगे तथा इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा। इसी प्रकार वार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल निर्माण हेतु अन्तिम दो इकाई परीक्षाओं (तृतीय व चतुर्थ) में से अधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लेकर इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा।

कक्षा 10– सत्र में कुल 03 इकाई परीक्षायें (02 इकाई परीक्षायें अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पूर्व तथा 01 अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त) तथा 01 प्री–बोर्ड परीक्षा होगी। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल निर्माण हेतु प्रथम दो इकाई परीक्षाओं (प्रथम व द्वितीय) में से अधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लिये जायेंगे तथा इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा। परिषदीय परीक्षा के आन्तरिक मूल्यांकन हेतु तीन इकाई परीक्षाओं में से सर्वाधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लेकर इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा।

*****